इकाई–3

निर्माण उद्योग

निर्माण उद्योग :
कच्चे मालों द्वारा जीवनोपयोगी वस्तुएँ तैयार करना, विनिर्माण उद्योग कहलाता है। जैसे–गन्ने से चीनी निर्माण।

उद्योग स्थापना के प्रमुख कारक

भौतिक कारक
– कच्चा माल
(लौह अयस्क,कपास)
– शक्ति के साधन
(कोयला,जलविद्युत)
– जल की आपूर्ति
उपयुक्त जलवायु

मानवीय कारक
– सस्ते श्रमिक
– बाजार की उपलब्धता
– परिवहन (सड़क,रेल)
– पूँजी
– सरकारी नीति

उद्योग वर्गीकरण का आधार

श्रम	कच्चे माल	स्वामित्व	कच्चे माल के स्रोत
बड़े उद्योग (सूती वस्त्र, लोहा–इस्पात) **मध्यम उद्योग** (साइकिल) **छोटे उद्योग** (हस्तशिल्प)	**भारी उद्योग** (लोहा इस्पात) **हल्के उद्योग** (इलेक्ट्रॉनिक्स)	**सार्वजनिक** (लोहा–इस्पात, दुर्गापुर) **सहकारी** (अमूल दूध) **निजी उद्योग** (टिस्को,जमशेदपुर)	**कृषि आधारित** (सूती वस्त्र, चीनी) **खनिज आधारित** (लोहा व इस्पात अल्यूमीनियम)

सूती वस्त्र उद्योग

सूती वस्त्र उद्योग का प्रथम सफल मिल 1854 ई0 में मुम्बई में कवास जी नाना भाई डाबर द्वारा स्थापित किया गया।

प्रमुख उत्पादक क्षेत्र

महाराष्ट्र	गुजरात	पश्चिम बंगाल	तमिलनाडु	उत्तर प्रदेश
(मुम्बई,शोलापुर)	(अहमदाबाद,सूरत)	(हुगली,कोलकाता)	(चेन्नई, कोयम्बटूर)	(कानपुर, वाराणसी)

https://www.evidyarthi.in/

- भारत का मैनचेस्टर 'अहमदाबाद', उत्तर भारत का मैनचेस्टर 'कानपुर' एवं दक्षिण भारत का मैनचेस्टर कोयम्बटूर है।
- मुम्बई को सूती कपड़ों की राजधानी (कॉटनोपोलिस) कहा जाता है।

जूट या पटसन उद्योग

- जूट के निर्यात में भारत का स्थान विश्व में द्वितीय है।

प्रमुख जूट उत्पादक क्षेत्र

पश्चिम बंगाल	आन्ध्र प्रदेश	बिहार
हुगली नदी के किनारे	कावेरी–कृष्णा के डेल्टा में	कटिहार, पूर्णिया

चीनी उद्योग

- भारत विश्व में चीनी के उत्पादन में (गुड और खांडसारी) प्रथम स्थान रखता है।
- आधुनिक चीनी उद्योग का विकास 1903 ई0 में बिहार के सारण जिले (मढ़ौरा) में हुआ।

मुख्य उत्पादक क्षेत्र

- महाराष्ट्र
- उत्तर प्रदेश
- आन्ध्रप्रदेश
- कर्नाटक
- तमिलनाडु
- बिहार

दक्षिण भारत की ओर चीनी उद्योग के स्थानान्तरण के कारक :

- उपयुक्त मिट्टी
- आर्द्र जलवायु
- गन्ने में अधिक रस की मात्रा
- सहकारी समितियाँ

चीनी उद्योग की समस्या

परम्परागत तकनीक | विद्युत आपूर्ति | परिवहन | अल्पकालिक दशाऐं

उपभोक्ता उद्योग : वैसे उद्योग जिनके तैयार माल का उपयोग उपभोक्ता सीधे तौर पर करता है। जैसे – कागज व सीमेंट उद्योग।

ऊनी वस्त्र उद्योग

प्रमुख उत्पादक क्षेत्र

पंजाब	महाराष्ट्र	उत्तर प्रदेश
(लुधियाना, धारीवाल)	(मुम्बई)	

- पसमीना ऊन बकरियों के बाल से तथा अंगूरा ऊन खरगोश के रोएँ से प्राप्त किया जाता है। भेड़ से भी ऊन प्राप्त होता है।

https://www.evidyarthi.in/

रेशमी वस्त्र उद्योग

प्रमुख उत्पादक क्षेत्र

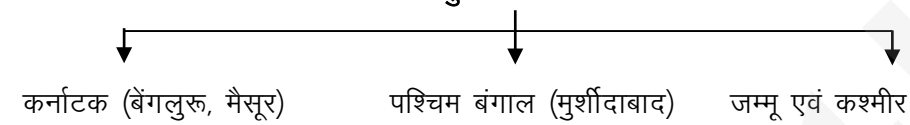

लौह–इस्पात उद्योग

- लौह इस्पात उद्योग एक आधरभूत उद्योग है।
- आधुनिक लौह–इस्पात उद्योग का विकास 1874 ई0 में पश्चिम बंगाल के कुल्टी नामक स्थान पर हुआ।
- 1907 ई0 में साकची (जमशेदपुर, झारखंड) नामक स्थान पर टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी (TISCO) की स्थापना की गई।

स्थानीयकरण के प्रमुख घटक :

- लौह अयस्क
- कोयला
- मैगनीज
- चूनापत्थर
- शक्ति के साधन
- सरकारी नीति
- बाजार

लौह–इस्पात के प्रमुख उत्पादक क्षेत्र

झारखंड	–	बोकारो, जमशेदपुर
प0 बंगाल	–	बर्नपुर, दुर्गापुर
ओड़िसा	–	राउरकेला
कर्नाटक	–	भद्रावती
छतीसगढ़	–	भिलाई
तमिलनाडु	–	सलेम
आन्ध्रप्रदेश	–	विशाखापत्तनम

विदेशी सहयोग से स्थापित केन्द्र

- भिलाई (रूस)
- राउरकेला (जर्मनी)
- दुर्गापुर (ब्रिटेन)
- बोकारो (रूस)

एल्यूमीनियम उद्योग

एल्यूमीनियम उद्योग के मुख्य अयस्क बॉक्साइट है।

प्रमुख उत्पादक क्षेत्र

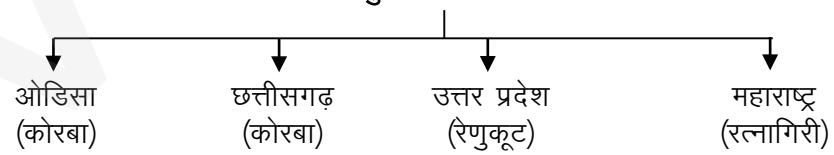

https://www.evidyarthi.in/

ताँबा प्रगलन उद्योग

प्रमुख उत्पादक क्षेत्र

झारखंड	**राजस्थान**	**तलिमनाडु**
घाटशिला	खेतड़ी	तूतीकोरिन
(भारत का प्रथम)	(सबसे पुराना खान)	

रासायनिक उद्योग

भारत का रासायनिक उद्योग विश्व में 12वां एवं एशिया में तीसरा स्थान रखता है। इसके अन्तर्गत अम्ल, उर्वरक, पेट्रोलियम आदि है।

रासायनिक उद्योग के वर्ग

अकार्बनिक
- अम्ल
- क्षार
- सोडा ऐश

कार्बनिक
पेट्रोलियम

उर्वरक उद्योग

भारत का पहला उर्वरक संयंत्र 1906 ई0 में रानीपेट (तमिलनाडु) एवं वास्तविक रूप से विकसित संयंत्र 1951 ई0 में सिंदरी (झारखंड) में हुआ।

सीमेंट उद्योग

भारत का पहला सीमेंट उद्योग 1904 ई0 में चेन्नई (तमिलनाडु) में स्थापित किया गया।

सीमेंट के लिए प्रमुख कच्चा माल
- चूनापत्थर
- सिलिका
- जिप्सम
- कोयला
- एल्यूमिनियम

सीमेंट के प्रमुख उत्पादक क्षेत्र
मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार (डालमियानगर), झारखंड, छत्तीसगढ़

तैयार माल आधारित उद्योग

रेलवे उद्योग

- विद्युत चालित इंजन चितरंजन (प0 बंगाल) में (लोकोमोटिव वर्क्स) में बनाया जाता है।
- डीजल चालित रेल इंजन वाराणसी (DLW), (उत्तर प्रदेश) में बनाये जाते हैं।
- एशिया का सबसे पुराना रेलवे वर्कशॉप जमालपुर (मुंगेर, बिहार) में है।
- रेल पहिया कारखाना छपरा (सारण) में है।

https://www.evidyarthi.in/

मोटर गाड़ी उद्योग :

- टाटा इंजीनियरिंग एण्ड लोकोमोटिव कम्पनी लिमिटेड (TELCO) मध्यम तथा भारी व्यापारिक वाहनों के मुख्य उत्पादक है।

पोत निर्माण उद्योग

प्रमुख पोत निर्माण केन्द्र

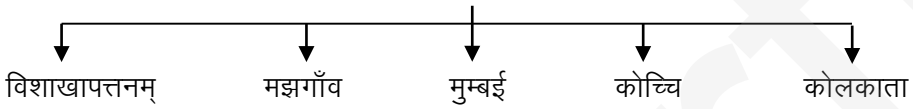

वायुयान उद्योग :

वायुयान उद्योग का पहला कारखाना हिन्दुस्तान एयर क्राफ्ट लिमिटेड, बेंगलुरू (1940 ई0) में लगाया गया।

तकनीकी एवं श्रमिक दक्षता आधारित उद्योग

फुटलूज (स्वच्छंद) उद्योग :

वैसा उद्योग जो कच्चे माल की बजाय कहीं भी स्वतंत्र रूप से स्थापित किया जाता है, फुटलूज उद्योग कहा जाता है। जैसे–टेलीविजन, टेलीफोन, कम्प्यूटर, होजियरी, खिलौना उद्योग इत्यादि। इस प्रकार के उद्योग बाजार एवं प्रचार माध्यमों पर आश्रित होते है।

स्वच्छंद उद्योग के प्रमुख केन्द्र

भारतीय अर्थव्यवस्था में उद्योग का योगदान

देश के सकल घरेलु उत्पाद (GDP) में विनिर्माण उद्योग की भागीदारी 17% है।

वैश्वीकरण

- देश की अर्थव्यवस्था को विश्व की अर्थव्यवस्था के साथ जोड़ना (अर्थात प्रत्येक देश का अन्य देशों के साथ बिना किसी प्रतिबंध के पूँजी, तकनीकी एवं व्यापारिक आदान–प्रदान) वैश्वीकरण है।

वैश्वीकरण का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

- विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि।
- रोजगार सृजन के अवसर में वृद्धि।

https://www.evidyarthi.in/

- क्रय शक्ति में वृद्धि तथा रहन सहन के स्तर में वृद्धि।
- लघु एवं कुटीर उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव।

उद्योगों का पर्यावरण पर प्रभाव

- वर्तमान समय में उद्योगों ने पर्यावरण का क्षरण एवं वायु, जल, ध्वनि एवं मृदा प्रदूषण की समस्याएँ पैदा की है।
- भोपाल गैस त्रासदी (मिथाइल आइसो साइनाइट गैस के रिसाव से) 3 दिसम्बर 1984 ई0 को भोपाल में घटित हुई।

प्रश्न

1. सीमेंट उद्योग का सबसे प्रमुख कच्चा माल क्या है?
2. कच्चे मालों द्वारा ..... वस्तुएँ तैयार करना विनिर्माण उद्योग कहा जाता है।
3. लौह अयस्क का उपयोग ..... उद्योग में किया जाता है।
4. कृषि आधारित उद्योग कौन है?
5. कृषि आधारित उद्योग और खनिज आधारित उद्योग में क्या अन्तर है।
6. उद्योग के स्थानीयकरण के तीन मुख्य कारकों का नाम लिखिए।
7. भारत में लोहा एवं इस्पात उद्योग के वितरण का वर्णन करें।
8. भारत में चीनी उद्योग के वितरण का वर्णन करें।
9. भारत में सूती वस्त्र उद्योग के वितरण वर्णन कीजिए।

https://www.evidyarthi.in/